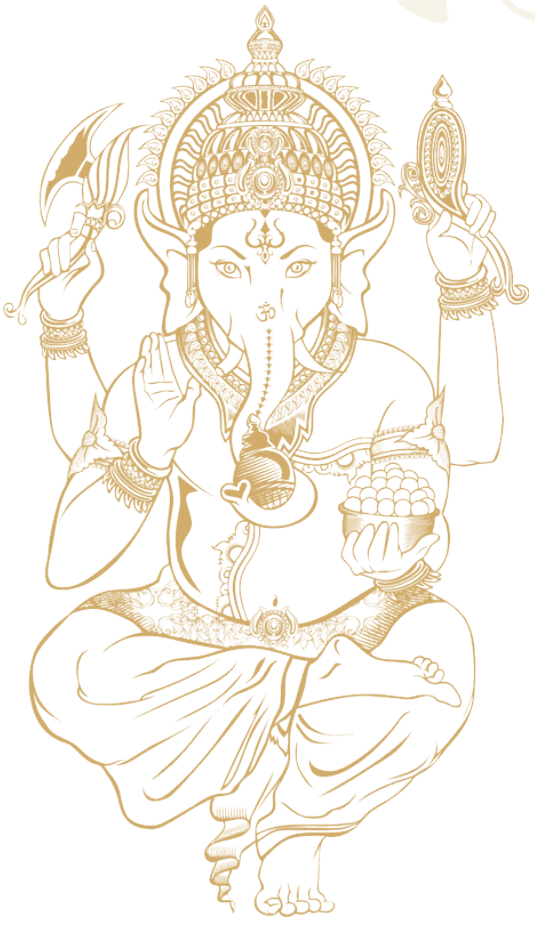

Jaiprakash

Apoorva sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121895412

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/06/1993	जन्म तिथि	26/10/1999
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 23:15:00	जन्म समय	20:40:00 घंटे
घटी 43:54:08	जन्म समय(घटी)	36:08:30 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:20	सूर्योदय	06:12:35
18:48:57	सूर्यास्त	17:47:58
23:46:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 4मा 3दि		00:27:05	कुंभ	लग्न	वृष	25:12:43	सूर्य 2वर्ष 11मा 18दि	
राहु		23:12:11	वृष	सूर्य	तुला	08:54:05	राहु	
11/10/2013		02:34:16	मक	चंद्र	वृष	03:24:30	14/10/2019	
11/10/2031		27:24:47	कर्क	मंगल	धनु	13:06:50	14/10/2037	
राहु	23/06/2016	15:12:09	मिथु	बुध	वृश्चि	02:56:00	राहु	26/06/2022
गुरु	17/11/2018	11:03:17	कन्या	गुरु व	मेष	05:41:27	गुरु	19/11/2024
शनि	22/09/2021	07:27:40	मेष	शुक्र	सिंह	22:28:40	शनि	26/09/2027
बुध	11/04/2024	06:33:10	कुंभ	शनि व	मेष	20:43:28	बुध	14/04/2030
केतु	29/04/2025	18:23:56	वृश्चि व	राहु व	कर्क	15:02:31	केतु	03/05/2031
शुक्र	29/04/2028	18:23:56	वृष व	केतु व	मक	15:02:31	शुक्र	02/05/2034
सूर्य	24/03/2029	27:43:38	धनु व	हर्ष	मक	19:01:02	सूर्य	27/03/2035
चन्द्र	23/09/2030	26:51:29	धनु व	नेप	मक	07:46:53	चन्द्र	25/09/2036
मंगल	11/10/2031	29:43:56	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	15:06:42	मंगल	14/10/2037

लग्न-चलित

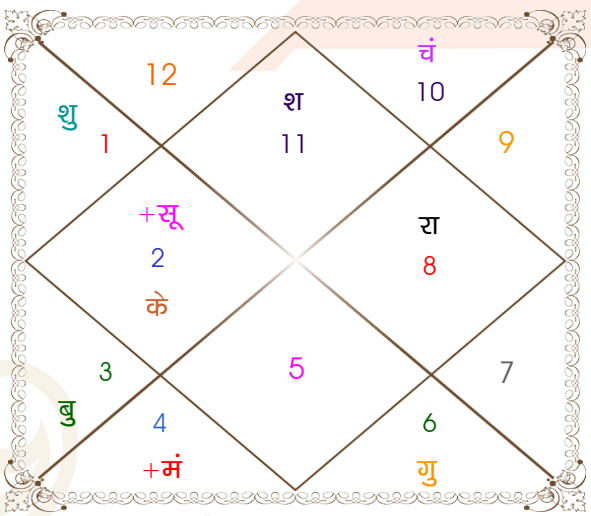

लग्न-चलित

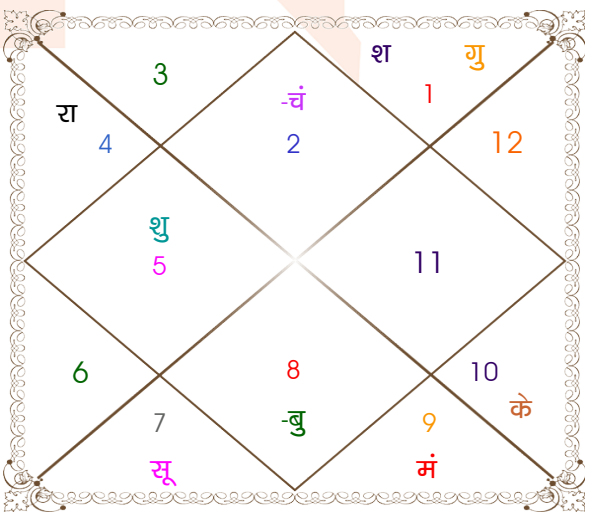

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jaiprakash का वर्ग मूषक है तथा Apoorva sharma का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jaiprakash और Apoorva sharma का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Jaiprakash मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Apoorva sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jaiprakash कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jaiprakash तथा Apoorva sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।